B'FINE®

Ek Fine Ehsaas !

PRESENTS

बरसाने वाली

राधे

BARSANE VALI
RADHE

B'FINE
Ek Fine Ehsaas !
लाख चाहूँ कि तुझे याद ना करूँ मगर...
इरादा अपनी जगह.. बेबसी अपनी जगह..!!
BF ~ 269

Ek Fine Ehsaas !

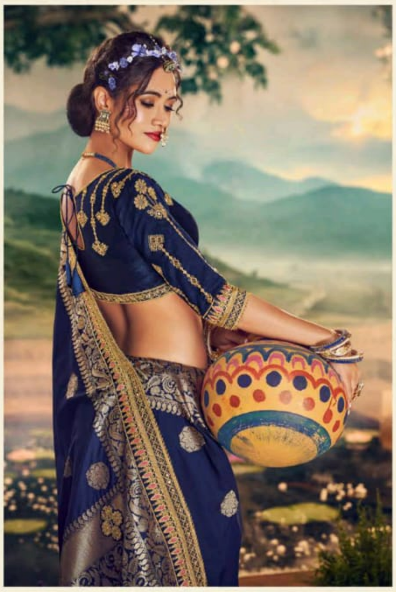

रुठ कर राधा बोली, कान्हा तेरी तो दिवानी वृंदावन की हर गोपी..
हंसकर बोले कान्हा, तुम्हें क्या पता, राधे तुम तो हो उन सब से निराली.।

BF ~ 264

Ek Fine Ehsaas !

तुम्हारी ही हम रचना हैं, तेरे चरणों में बसना है,
बता दो अब तो ऐ गिरिधर । अभी कितना तड़पना है..
BF ~ 271

B FINE
मुझे तो तुमसे नाराज होना भी नहीं आता...
न जाने तुम से कितनी मोहब्बत कर बैठे है हम ॥
BF ~263

B'FINE
Ek Fine Ehsaas !
BF ~ 266

तेरी चाहत के जादू से तू खुद नहीं है वाकिफ,
ये उसे भी जिना सिखा देती हैं, जिसे मरने का शौक हो..

BF ~ 263

हे कान्हा घडी की सुइयों जैसा रिश्ता तेरा मेरा..
कभी मिले..कभी ना मिले.. पर साथ हमेशा जुडे रहे..

BF ~ 265

B'FINE

Ek Fine Ehsaas !

मुझे रिश्तो की लम्बी कतारों से क्या मतलब...
कोई दिल से हो मेरा तो एक कृष्ण ही काफी है।

BF ~ 268

B'FINE

Ek Fine Ehsaas !

हे कान्हा यूं तो गुमशुदा हो मेरी आँखों से तुम..
फिर भी मेरी रूह के हर जर्रे में, तुम बसते हो..

BF ~ 264

B'FINE
Ek Fine Ehsaas !
एक बात तो बता दो, साँवरे.. क्यु लगते हो हमें तुम इतने प्यारे..
ना तुम्हें पा सके हम, और ना तुम्हारे बिना जी सके हम।

BF ~ 271

B FINE
तुम संग बीते वक्त का मैं कोई हिसाब नहीं रखती..
मैं बस लम्हें जीती हूं, इससे आगे का कोई ख्वाब नहीं रखती..
BF ~ 268

B'FINE
Ek Fine Ehsaas
सच्चे प्रेम का अंजाम यदि विवाह ही होता..
तो रुक्मणी की जगह राधा का स्थान होता..
BF ~ 269

B FINE
Ek Fine Ehsaas !

बेख़बर थी मैं कि, दाँव पर क्या लगा है।
दिल हारा तो जाना कि, मैं सब कुछ हार चुकी हूं।।
BF ~270

B'FINE
Ek Fine Ehsaas !
प्यार में कितनी बाधा देखी...
फिर भी... कृष्ण के संग राधा देखी...।।
BF ~ 267

B'FINE
Ek Fine Ehsaas !

"राधे तु बडभागिनी कौन तपस्या कीन,
तीन लोक का तारन हार वो तेरे आधीन"।

BF ~ 266

राधा ने किसी और की तरफ देखा ही नहीं... जब से वो कृष्ण के प्यार में खो गई
कान्हा के प्यार में पडकर, वो खुद प्यार की परिभाषा हो गई..

BF ~265

B'FINE
Ek Fine Ehsaas !
अपना ये इश्क तो अधूरा ही ठीक है...
पूरा होने पर तो आसमान का चांद भी घटने लगता है...
BF ~ 270

राधा की चाहत है कृष्ण, कृष्ण चाहे कितना भी रास रचा ले,
दुनिया तो फिर भी यही कहती है, राधे कृष्ण, राधे कृष्ण।

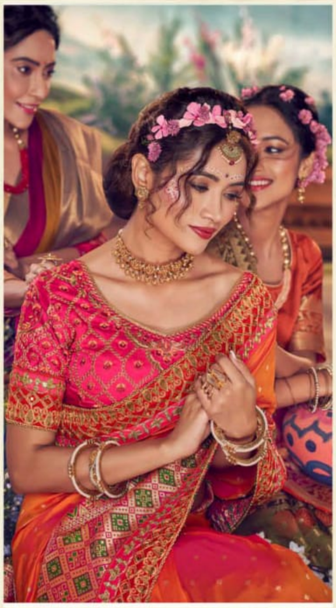

BF ~270

युं तो राज खुल ही जाऐगा हमारी मोहब्बत का एकदिन राधारमण.....
हम जो हर महफिल मे तुम्हारे नाम से शायरी का अगाज करते हैं..!!!

BF ~ 267

बरसाने वाली राधे

BARSANE VALI RADHE

BF ~ 263

BF ~ 264

BF ~ 265

BF ~ 266

BF ~ 267

BF ~ 268

BF ~ 269

BF ~ 270

BF ~ 271